📘 **Question: What is Consideration? Describe the Consideration.**
(प्रतिफल क्या है? प्रतिफल का वर्णन कीजिए।)

- **Introduction / परिचय:**

In every valid contract, *consideration* is an essential element.
प्रत्येक वैध अनुबंध में **प्रतिफल (Consideration)** एक आवश्यक तत्व होता है।
It means something in return — *quid pro quo* — one party gives something, and the other gets something in exchange.
अर्थात किसी वचन के बदले कुछ मूल्यवान प्राप्त या दिया जाना प्रतिफल कहलाता है।

- **Definition / परिभाषा:**

Section 2(d), Indian Contract Act, 1872 –

"When at the desire of the promisor, the promisee or any other person has done or abstained from doing something, or does or abstains from doing something, or promises to do or to abstain from doing something, such act or abstinence or promise is called a consideration for the promise."

"जब वचनकर्ता की इच्छा से, वचन-ग्राही या कोई अन्य व्यक्ति कुछ करता है, न करता है, या कुछ करने या न करने का वचन देता है, तो वह कार्य या वचन प्रतिफल कहलाता है।"

Salmond's Definition:

"Consideration is the price for which the promise of the other is bought."
(प्रतिफल वह मूल्य है जिसके बदले एक व्यक्ति दूसरे के वचन को खरीदता है।)

- **Essentials of Consideration / प्रतिफल के आवश्यक तत्व:**

1️⃣ **Must move at the desire of the promisor**
प्रतिफल वचनकर्ता की इच्छा से होना चाहिए। अगर कार्य उसकी इच्छा से नहीं हुआ तो वह वैध प्रतिफल नहीं होगा।

2️⃣ **May move from the promisee or any other person**
प्रतिफल वचन-ग्राही या किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा दिया जा सकता है।
(भारत में "Doctrine of Privity of Consideration" लागू नहीं है।)

3️⃣ **May be past, present, or future**
प्रतिफल अतीत, वर्तमान या भविष्य — तीनों में से किसी भी समय का हो सकता है।

1. *Past consideration* – पहले किया गया कार्य।
2. *Present consideration* – वर्तमान में किया गया कार्य।
3. *Future consideration* – भविष्य में किया जाने वाला कार्य।

4️⃣ **Must be real and lawful**
प्रतिफल वास्तविक, वैध और नैतिक होना चाहिए। अवैध या असंभव प्रतिफल अनुबंध को अमान्य बना देता है।

- **Example / उदाहरण:**

'A' says to 'B' — "I will pay you ₹500 if you deliver my book."
जब 'B' किताब पहुँचाता है, तो किताब पहुँचाने की क्रिया ही प्रतिफल (consideration) कहलाती है।

- **Case Law / न्यायिक दृष्टांत:**

Chinnayya v. Ramayya (1882) –
Held that consideration may move from any person, not necessarily the promisee.
(निर्णय में कहा गया कि प्रतिफल किसी भी व्यक्ति द्वारा दिया जा सकता है, केवल वचन-ग्राही तक सीमित नहीं है।)

- **Exceptions (Section 25) / अपवाद:**

निम्न स्थितियों में बिना प्रतिफल के भी अनुबंध वैध हो सकता है —

Natural Love and Affection (प्राकृतिक स्नेह और प्रेम से किए गए वचन)

Question what is consideration?

Past Voluntary Service (पूर्व स्वेच्छा से की गई सेवा के लिए वचन)

Promise to pay time-barred debt (समय-सीमा समाप्त ऋण का भुगतान वच

🔹 **Conclusion / निष्कर्ष:**

Consideration is the foundation of every valid contract.
प्रतिफल किसी भी वैध अनुबंध की **आत्मा (Soul)** है।
It ensures that both parties exchange something valuable; hence, "No Consideration – No Contract."
इसलिए कहा गया है — **"बिना प्रतिफल कोई अनुबंध नहीं।"**

Direct Question Style

👉 *Explain the legal maxim **"Ex nudo pacto non oritur actio."** Discuss its relevance under the Indian Contract Act, 1872 with illustrations.*

Concept-based Question

👉 *What do you understand by the rule "**No consideration, no contract**"? Explain in the light of the maxim "Ex nudo pacto non oritur actio."*

Case-law Oriented Question

👉 *Discuss the maxim "**Ex nudo pacto non oritur actio**" with the help of judicial pronouncements. How far is this maxim applicable under Section 25 of the Indian Contract Act, 1872?*

Applied Question (Problem style)

👉 *A promises to give B ₹10,000 as a gift. Later A refuses. Can B file a suit for recovery? Explain with reference to the maxim **"Ex nudo pacto non oritur actio."***

बहुत अच्छा प्रश्न 👏 —
आपका अवलोकन बिलकुल सही है —
यह maxim ***"Ex nudo pacto non oritur actio"*** (एक नग्न वचन से कोई कार्यवाही उत्पन्न नहीं होती) वास्तव में Consideration (प्रतिफल) के सिद्धांत से ही जुड़ा हुआ है।

लेकिन परीक्षा में इस maxim पर प्रश्न आए तो उत्तर की संरचना थोड़ी भिन्न और अधिक विश्लेषणात्मक होनी चाहिए।
आइए इसे LLB परीक्षा (20 Marks) के अनुसार विस्तार से देखें 👇

📘 Question:

"Ex nudo pacto non oritur actio." Discuss its relevance under the Indian Contract Act, 1872 with illustrations.
("एक नग्न वचन से कोई कार्यवाही उत्पन्न नहीं होती।" भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 के अंतर्गत इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।)

🔹 Meaning of the Maxim / उक्त सूत्र का अर्थ:

Latin Maxim: *Ex nudo pacto non oritur actio*
Meaning: *From a naked promise, no action arises.*
हिन्दी में अर्थ:

"केवल वचन (Promise) से कोई वैधानिक अधिकार या कार्यवाही उत्पन्न नहीं होती, जब तक कि उसके साथ प्रतिफल (Consideration) न जुड़ा हो।"

अर्थात – केवल वचन देने मात्र से कोई कानूनी दायित्व उत्पन्न नहीं होता, जब तक उसके बदले में कुछ मूल्यवान प्रतिफल न दिया जाए।

🔹 Legal Basis under Indian Contract Act, 1872:

यह सिद्धांत Section 2(d) और Section 25 पर आधारित है।

Question what is consideration?

- Section 2(d) प्रतिफल (Consideration) की परिभाषा देता है।
- Section 25 कहता है कि ***"An agreement made without consideration is void",*** अर्थात बिना प्रतिफल का अनुबंध अवैध होता है।

👉 इस प्रकार, यह maxim भारतीय कानून में Consideration के सिद्धांत के रूप में लागू है।

🔹 Illustrations / उदाहरण:

1️⃣ Example 1:
'A' says to 'B' – "I will give you ₹1,000 tomorrow."
यह मात्र वचन है, इसके बदले 'B' ने कुछ नहीं किया।
👉 इसलिए यह nude pact (नग्न वचन) है — कानूनन लागू नहीं।

2️⃣ Example 2:
यदि 'A' कहता है – "I will give you ₹1,000 if you deliver my books," और 'B' किताबें पहुँचाता है,
👉 तो यहाँ 'B' की क्रिया प्रतिफल (consideration) है, इसलिए यह valid contract है।

🔹 Case Law / न्यायिक दृष्टांत:

Chinnayya v. Ramayya (1882)
न्यायालय ने कहा – बिना प्रतिफल अनुबंध अमान्य है, परंतु प्रतिफल किसी तीसरे व्यक्ति से भी प्राप्त हो सकता है।

Abdul Azeez v. Masum Ali (1914)
एक व्यक्ति ने मस्जिद निर्माण के लिए धन देने का वचन दिया, परंतु प्रतिफल न होने से वचन enforceable नहीं माना गया।

🔹 Exceptions under Section 25 / अपवाद:

निम्न परिस्थितियों में बिना प्रतिफल का अनुबंध भी वैध होता है —

1. Natural love and affection – परिवार या निकट संबंध में किया गया लिखित वचन।
2. Past voluntary service – पूर्व स्वेच्छा से की गई सेवा के लिए वचन।
3. Promise to pay time-barred debt – समय-सीमा समाप्त ऋण का भुगतान वचन।

🔹 Conclusion / निष्कर्ष:

इस प्रकार, ***"Ex nudo pacto non oritur actio"*** भारतीय अनुबंध अधिनियम की आत्मा है —
यह सिद्ध करता है कि बिना प्रतिफल (Consideration) कोई वैधानिक अनुबंध अस्तित्व में नहीं आता।
इस सिद्धांत के कारण ही कानून यह सुनिश्चित करता है कि हर अनुबंध में दोनों पक्षों के बीच पारस्परिक लाभ (Mutual Benefit) हो।

अतः कहा जाता है — "No consideration – No contract." (बिना प्रतिफल कोई अनुबंध नहीं।)

Model Answer (For Any 20 Marks Question)

📖 Meaning of Maxim

The Latin maxim ***"Ex nudo pacto non oritur actio"*** means *"No action arises from a bare promise."*
It emphasizes that an agreement without consideration is not enforceable by law.

📚 Definitions by Jurists

ब्लैकस्टोन (Blackstone):

"A consideration is the recompense given by the party contracting to the other, for what the latter has done, or is to do, for him."

हिन्दी में सरल अर्थ:
प्रतिफल वह इनाम या बदला है जो एक पक्ष दूसरे पक्ष को उसके द्वारा किए गए या किए जाने वाले कार्य के बदले में देता है।

सरल शब्दों में समझिए:
अगर कोई आपके लिए कुछ करता है, तो उसके बदले में आप जो मूल्य या लाभ देते हैं, वही प्रतिफल कहलाता है।
👉 उदाहरण: 'A' कहता है कि "तुम मेरी किताब पहुँचाओ, मैं तुम्हें ₹100 दूँगा" — यहाँ ₹100 प्रतिफल है।

2️⃣ सर फ्रेडरिक पॉलक (Sir Frederick Pollock):

"Consideration is the price for which the promise of the other is bought, and the promise thus given for value is enforceable."

हिन्दी में सरल अर्थ:
प्रतिफल वह मूल्य है जिसके बदले में एक व्यक्ति दूसरे के वचन (Promise) को "खरीदता" है। और जब किसी वचन के पीछे प्रतिफल होता है, तभी वह कानूनन लागू होता है।

सरल शब्दों में समझिए:
जिस वचन के बदले में कुछ मूल्य दिया गया हो, वही वचन कानून में मान्य होता है।
👉 इसलिए कहा गया है — "No Consideration, No Contract."

3️⃣ पैटरसन (Patterson):

"Consideration means something which is of some value in the eye of law, moving from the promisee, either of benefit to the promisor or a detriment to the promisee."

हिन्दी में सरल अर्थ:
प्रतिफल वह है जो कानून की दृष्टि में मूल्यवान हो और वचन-ग्राही की ओर से आए —चाहे वह वचनकर्ता को लाभ पहुँचाए या वचन-ग्राही को कुछ हानि उठानी पड़े।

सरल शब्दों में समझिए:
प्रतिफल में या तो किसी को लाभ होता है या किसी को हानि उठानी पड़ती है, लेकिन दोनों ही स्थितियों में वह कानूनी रूप से मूल्यवान होता है।
👉 उदाहरण: अगर 'B' अपनी किताब बेचता है और 'A' उसे पैसे देता है —'A' को लाभ (book) और 'B' को नुकसान (book चली गई), यही प्रतिफल है।

👉 These definitions highlight that without consideration, a promise has no legal force—hence supporting the maxim *Ex nudo pacto non oritur actio.*

📝 **Illustration**

- **A** promises to gift **B** ₹5,000. There is no consideration from B. This is a bare promise. If A fails, B cannot sue.
- But if B agrees to perform some service in return, there is consideration, and the promise becomes enforceable.

📌 **Case Laws**

1. **Abdul Aziz v. Masum Ali (1914)** – A promise to donate money without consideration is not enforceable.
2. **Durga Prasad v. Baldeo (1880)** – Past voluntary act without request from promisor is not valid consideration.
3. **Dunlop Pneumatic Tyre Co. Ltd. v. Selfridge & Co. Ltd. (1915)** – Pollock's definition approved: consideration is "the price for which the promise is bought."

✨ **Important Notes for Exam**

- Maxim supports the doctrine **"No consideration, no contract."**
- Exceptions exist under **Section 25 ICA, 1872.**

✅ **Conclusion**

The maxim ***"Ex nudo pacto non oritur actio"*** lays the foundation of contract law both in England and India. It establishes that **consideration is the soul of a contract**, and without it, no legal action can be sustained, except in statutory exceptions.

Conclusion

The maxim ***"Ex nudo pacto non oritur actio"*** forms the backbone of the doctrine of consideration. As explained by jurists like **Pollock, Blackstone, and Patterson**, consideration is essential for the enforceability of contracts. In Indian law, this principle is codified under **Section 25 of the Indian Contract Act, 1872**, ensuring that **no legal action can be taken on a bare promise, unless it falls under statutory exceptions.**

✅ If the question is **"What is the legal requirement regarding consideration?"** then you can answer like this (20 marks version):

📘 **Answer – Legal Requirement of Consideration**

1. **Definition (Sec. 2(d), ICA 1872):** Consideration means when, at the desire of the promisor, the promisee or any other person does, abstains, or promises to do or abstain, such act or abstinence is called consideration.
2. **Legal Requirement (Sec. 25, ICA 1872):**
    - General Rule → *No consideration, no contract.*
    - Exception → A contract without consideration is void **except**:
        1. Made out of natural love & affection (in writing & registered).
        2. Past voluntary services.
        3. Promise to pay a time-barred debt.
3. **Juristic Views:**

- **Pollock:** "Consideration is the price for which the promise of the other is bought."
- **Blackstone:** "Consideration is the recompense given by one party for what the other has done or will do."
- **Patterson:** "Something of value in the eye of law moving from promisee, either benefit to promisor or detriment to promisee."

4. **Maxim:** *Ex nudo pacto non oritur actio* → "No action arises from a bare promise."
5. **Case Laws:**
   - **Abdul Aziz v. Masum Ali (1914)**
   - **Durga Prasad v. Baldeo (1880)**
   - Dunlop Pneumatic Tyre Co. Ltd. v. Selfridge & Co. Ltd. (1915)
6. **Conclusion:** Consideration is the **backbone of enforceable contracts.** Without it, a promise is merely a moral obligation, not a legal one.

Subject legal requirement of the consideration.

Legal Requirements of Consideration

Point	Explanation	Case Law Example
a) Consideration at the desire of the promisor	Consideration must move at the request or desire of the promisor, not voluntarily or at a third party's request.	***Durga Prasad v. Baldeo* (1880)** – work done at the Collector's request, not at the promisor's request, held not valid consideration.
b) Subscription for charitable purpose	If someone subscribes to a charitable object and on that basis liabilities are incurred, the subscriber is bound to pay.	***Kedarnath v. Gorie Mohammad* (1886)** – promise to contribute for a town hall binding as the builder acted on it.
c) Consideration by promisee or any other person	Consideration may move from the promisee or any other person (stranger to consideration), as long as it is at promisor's desire.	***Chinnayya v. Ramayya* (1882)** – a third person furnished consideration, still enforceable.
d) Consideration may be past, present or future	- Past: An act done at promisor's request before promise is valid. - Present (executed): Simultaneous exchange of promises. - Future (executory): A promise for a promise in future.	*Past:* ***Sindha v. Abraham* (1895)**. *Present:* Cash sale examples. *Future:* Contract to deliver goods later.

---

a) 📘 Consideration at the Desire of the Promisor
b) subscription for charitable purpose.
c) Consideration by promise or any other person.

✅ **Meaning**

- **Consideration must move at the desire of the promisor, not at the wish of a third party, nor voluntarily.**
- **If a person does something without the promisor's request, it is not valid consideration.**

⚖️ **Legal Provision (Sec. 2(d), ICA, 1872)**

"*When, at the desire of the promisor, the promisee or any other person has done or abstained from doing… such act or abstinence is called consideration.*"

👉 **Key point: Promisor's desire / request is essential.**

📝 **Illustrations**

1. **Valid Consideration**

- **A asks B to deliver goods to C.**
- **B delivers goods to C.**
- **Here, B's act is at the desire of A (promisor) → valid consideration.**

2. **Invalid Consideration (Voluntary Act)**

- **B, without asking, repairs A's house.**
- **Later, A promises to pay ₹5,000.**
- **Since the act was not at A's desire, the promise is void (Durga Prasad v. Baldeo, 1880).**

📌 **Important Case Laws**

1. **Durga Prasad v. Baldeo (1880):**
   Plaintiff built shops at his own expense at the request of the Collector. Defendants promised to pay him a commission. Held → Not enforceable, as the act was not done at the desire of defendants (promisors).

2. **Kedar Nath v. Gorie Mohammad (1886):**
   Defendant promised donation for a town hall. Plaintiff incurred liability on faith of that promise. Held → Consideration was valid since expenses were incurred at the desire of promisor.

✨ **Notes for Exam**

- **Consideration must move from promisee or any other person (Privity of Consideration not required in India).**
- **BUT it must always be at promisor's desire.**
- **Voluntary acts or acts at third party's request do not count.**

✅ **Conclusion**

The rule ensures that only obligations consciously undertaken by the promisor become binding. Thus, *consideration at the desire of the promisor* is a fundamental legal requirement for a valid contract under Indian law.

---

d) **consideration by promise or any other purpose.**

Ref case

📘 **Case Brief: *Chinnaya v. Ramaiya (1882) 4 Mad 137***

✅ **Facts:**

- An old lady (plaintiff's mother) transferred some property to her daughter (the plaintiff).
- In return, the daughter promised to pay an annuity to her mother's brother (the defendant).
- Later, the daughter refused to pay.
- The brother (defendant) argued that since he gave **no consideration**, he could not be held liable.

⚖️ **Issue:**

Whether consideration must move only from the **promisee** or it can move from **any other person**?

🏛️ **Judgment:**

- The Madras High Court held that **consideration need not move from the promisee only**.
- As long as there is consideration and it is **at the desire of the promisor**, the contract is valid.
- In this case, consideration moved from the mother (who transferred the property), though she was not the direct promisee.

📌 **Principle (Ratio Decidendi):**

- Under **Section 2(d), Indian Contract Act, 1872**, consideration may move **from the promisee or any other person**.
- Thus, **Privity of Consideration** is *not required* in India.

📝 **Significance:**

- This case distinguishes Indian law from English law.
- In English law → consideration must move **from the promisee only.**
- In Indian law → consideration can move **from promisee or any other person.**

✨ **Example for Exam:**

- If **A** makes a promise to **B** on the consideration provided by **C**, the agreement is valid in India (but not in English law).

✅ **Conclusion:**
Chinnaya v. Ramaiya is the leading case establishing that in India, **consideration may move from the promisee or any other person**, provided it is **at the desire of the promisor**.

📙 **Privity of Contract vs. Privity of Consideration**

1️⃣ Privity of Contract (Stranger to a Contract)

✅ Meaning:

Only parties to a contract can sue or be sued on it.
👉 A stranger (third party) cannot enforce a contract even if it is made for his benefit.

⚖️ English Rule:

- Established in Tweddle v. Atkinson (1861) – A father and father-in-law promised to pay money to the groom, but he could not sue as he was not a party to the contract.
- Reaffirmed in Dunlop Pneumatic Tyre Co. v. Selfridge (1915).

📌 Indian Position:

- General Rule is the same → a stranger to a contract cannot sue.
- But exceptions exist (trust, family settlements, marriage contracts, acknowledgment, agency, statutory provisions, etc.).

2️⃣ Privity of Consideration

✅ Meaning:

Question is — *from whom must consideration move?*

- English Law: Consideration must move from the promisee only.
- Indian Law (Sec. 2(d), ICA 1872): Consideration may move from the promisee or any other person, provided it is at the desire of the promisor.

📌 Case Law (India):

- Chinnaya v. Ramaiya (1882): Consideration can move from a third party; contract still valid.

🔑 बहुत अच्छा 👏 — नीचे दिया गया है आपका **Key Difference Table**
दोनों भाषाओं में — **English + Hindi (Bilingual Format)** —
ताकि आप इसे सीधे **LLB Notes** या **Exam Answer Sheet** में उपयोग कर सकें 👇

📘 **Difference Between – Privity of Contract and Privity of Consideration**

(**अनुबंध की गोपनीयता** और **प्रतिफल की गोपनीयता** में अंतर)

Point / बिंदु	**Privity of Contract (अनुबंध की गोपनीयता)**	**Privity of Consideration (प्रतिफल की गोपनीयता)**
Definition / परिभाषा	Only parties to a contract can sue or be sued. *(केवल अनुबंध के पक्षकार ही मुकदमा दायर कर सकते हैं या उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया जा सकता है।)*	It determines who can furnish the consideration for a contract. *(यह तय करता है कि अनुबंध के लिए प्रतिफल कौन दे सकता है।)*
Rule (English Law) / नियम (अंग्रेजी कानून)	A stranger to a contract cannot sue. *(जो व्यक्ति अनुबंध का पक्षकार नहीं है, वह मुकदमा नहीं कर सकता।)*	Consideration must move from the promisee only. *(प्रतिफल केवल वचन-ग्राही द्वारा ही दिया जा सकता है।)*
Rule (Indian Law) / नियम (भारतीय कानून)	A stranger to a contract generally cannot sue (with exceptions). *(सामान्यतः तीसरा व्यक्ति अनुबंध लागू नहीं कर सकता, कुछ अपवादों को छोड़कर।)*	Consideration may move from the promisee **or any other person** (Sec. 2(d), ICA). *(प्रतिफल वचन-ग्राही या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दिया जा सकता है — धारा 2(d), भारतीय अनुबंध अधिनियम के अनुसार।)*
Leading Case / प्रमुख वाद	*Tweddle v. Atkinson (1861)* (तीसरा व्यक्ति अनुबंध लागू नहीं कर सकता।)	*Chinnayya v. Ramaiya (1882)* (प्रतिफल किसी तीसरे व्यक्ति से भी आ सकता है।)
Example / उदाहरण	'A' & 'B' contract for the benefit of 'C' → 'C' cannot sue (stranger to contract). *('A' और 'B' अनुबंध करते हैं जिससे 'C' को लाभ हो, फिर भी 'C' मुकदमा नहीं कर सकता।)*	'A' contracts with 'B', but 'C' gives the consideration → valid in India, not in England. *('A' और 'B' अनुबंध करते हैं, पर प्रतिफल 'C' देता है — यह भारत में वैध है, इंग्लैंड में नहीं।)*

******* ********** ********** ********** **********

Date 12.9.25 period 4 time 1.30 pm Ela Aggarwal

Question what is consideration?

Subject legal requirement regarding consideration.

D **Consideration may be past present or future.**

1 past consideration means that the consideration for any promise was given earlier and the promise is made thereafter.

2 present or executed consideration when one of the parties to the contract has perform his part of promise constituting the consideration for the promise by the other side it is executed consideration.

3 future consideration / executory consideration when are person makes a promise in exchange for the promise by the other side the performance of the obligations by each side to be made subsequent to the making of the contract the consideration is known as executory.

E consideration need not be adequate a contract supported by consideration is vailid even though it is in adequate. It must be good consideration.

F consideration must be real, of some value.

Ref case

White v. Bluett (1853) 23 LJ Ex 36
(व्हाइट बनाम ब्लुएट, 1853)

🔹 तथ्य (Facts):

• एक पुत्र (Bluett) ने अपने पिता से कुछ धन उधार लिया था।
• पिता की मृत्यु के बाद, उनके वसीयतनामा के कार्यकारी (White) ने पुत्र से वह धन वापस माँगा।
• पुत्र ने तर्क दिया कि—"मेरे पिता ने कहा था कि अगर मैं संपत्ति के बँटवारे को लेकर शिकायत करना बंद कर दूँ, तो मुझे ऋण वापस नहीं करना होगा।"
• सरल शब्दों में: पुत्र ने कहा कि "यदि मैं विरासत पर शिकायत बंद कर दूँ, तो मुझे पैसा लौटाना नहीं होगा।"

🔹 मुख्य प्रश्न (Issue):

क्या पुत्र का "शिकायत न करने का वादा" पिता के "ऋण माफ करने के वादे" के लिए वैध प्रतिफल (valid consideration) माना जा सकता है?

🔹 निर्णय (Judgment / Held):

• नहीं, यह वैध प्रतिफल नहीं था।
• न्यायाधीश पोलॉक (Pollock, C.B.) ने कहा —
"पुत्र को अपने पिता की संपत्ति-वितरण पर शिकायत करने का कोई कानूनी अधिकार (legal right) नहीं था।"
• इसलिए, जिस कार्य से आपको कोई कानूनी अधिकार ही नहीं है, उसे न करने का वादा प्रतिफल नहीं हो सकता।
• परिणामस्वरूप, पिता का "ऋण माफ करने का वादा" अमान्य (unenforceable) माना गया और पुत्र को वह धन वापस चुकाना पड़ा।

🔹 सारांश (In Short):

"ऐसे कार्य से विरत रहना जिसके लिए आपके पास कोई कानूनी अधिकार नहीं है, वैध प्रतिफल नहीं माना जा सकता।"

G performance of an existing duty is not consideration.

1 performance of legal duty.

Collins v. Godefroy (1831) 109 ER 1040 (कॉलेन्स बनाम गोडफ्रॉय, 1831)

🔹 तथ्य (Facts):

• Collins, जो एक वकील (attorney) थे, उन्हें अदालत द्वारा समन (subpoena) भेजा गया ताकि वे Godefroy के मुकदमे में गवाह के रूप में उपस्थित हों।
• Godefroy ने वादा किया कि अगर Collins अदालत में उपस्थित होंगे तो वह उन्हें कुछ धनराशि देगा।
• Collins अदालत में कई बार उपस्थित हुए, लेकिन हमेशा उन्हें गवाही देने के लिए नहीं बुलाया गया।
• बाद में जब Godefroy ने भुगतान करने से इंकार किया, तो Collins ने मुकदमा दायर किया कि उसे वादा किया गया पैसा मिले।

🔹 मुख्य प्रश्न (Issue):

क्या अदालत में गवाह के रूप में उपस्थित होना वैध प्रतिफल (valid consideration) माना जा सकता है ताकि Godefroy का वादा लागू हो सके?

🔹 निर्णय (Judgment / Held):

• नहीं, यह वैध प्रतिफल नहीं था।
• न्यायालय ने कहा कि Collins पहले से ही कानूनी कर्तव्य (legal duty) के तहत अदालत में उपस्थित होने के लिए बाध्य थे क्योंकि उन्हें समन (subpoena) जारी किया गया था।
• इसलिए, ऐसा कार्य जो व्यक्ति पहले से ही कानूनी रूप से करने के लिए बाध्य है, वह किसी नए अनुबंध के लिए प्रतिफल (consideration) नहीं बन सकता।
• परिणामस्वरूप, Godefroy का वादा अमान्य (unenforceable) माना गया, और Collins को कोई भुगतान नहीं मिला।

🔹 सारांश (In Short):

"यदि कोई व्यक्ति पहले से ही कानून के तहत कोई कार्य करने के लिए बाध्य है, तो वह कार्य नए अनुबंध के लिए वैध प्रतिफल नहीं हो सकता।"

---

performance of contractual duty.

Stilk v. Myrick (1809) 170 ER 1168 (स्टिल्क बनाम मायरिक, 1809)

🔹 **तथ्य (Facts):**

• **Stilk** एक नाविक था जो एक जहाज पर **लंदन से बाल्टिक (Baltic)** और वापसी की यात्रा के लिए नियुक्त किया गया था।
• यात्रा के दौरान जहाज के **दो नाविक भाग गए (deserted)**।
• जहाज के **कप्तान (Captain)** ने शेष नाविकों से वादा किया कि अगर वे जहाज को सुरक्षित रूप से वापस लंदन ले आएंगे, तो वे भागे हुए नाविकों का **वेतन आपस में बाँट सकते हैं।**

• नाविकों ने जहाज को लंदन तक पहुँचा दिया और फिर उन्होंने **अतिरिक्त वेतन** माँगा।
• कप्तान ने भुगतान करने से **इंकार किया**, इसलिए **Stilk** ने मुकदमा दायर किया।

🔹 **मुख्य प्रश्न (Issue):**

क्या नाविकों द्वारा जहाज को वापस लाना कप्तान के अतिरिक्त वेतन देने के वादे के लिए **वैध प्रतिफल (valid consideration)** था?

🔹 **निर्णय (Judgment / Held):**

• **नहीं**, यहाँ कोई वैध प्रतिफल नहीं था।
• न्यायालय ने कहा कि नाविक अपने **मूल अनुबंध (original contract)** के तहत पहले से ही इस प्रकार की **आपात स्थितियों (emergencies)** से निपटने के लिए बाध्य थे, जिसमें कुछ नाविकों का भाग जाना भी शामिल था।
• इसलिए, उन्होंने अपने अनुबंध से **अधिक कुछ नहीं किया**, और जो वादा कप्तान ने किया वह **अमान्य (unenforceable)** था।

🔸 **न्याय सिद्धांत:**

"No consideration, no contract." — जहाँ कोई नया प्रतिफल नहीं है, वहाँ अनुबंध नहीं बनता।

🔹 **संबंधित बिंदु (Related Exceptions under Indian Contract Act, 1872):**

भारतीय अनुबंध अधिनियम की धारा 25 के अनुसार, कुछ स्थितियों में बिना प्रतिफल (without consideration) भी अनुबंध वैध हो सकता है —

1. **Natural love and affection (प्राकृतिक प्रेम और स्नेह)** — जैसे निकट संबंधियों के बीच लिखित और पंजीकृत अनुबंध।
2. **Past voluntary services (पूर्व स्वैच्छिक सेवा)** — जब किसी ने पहले स्वेच्छा से सेवा दी और बाद में वादा किया गया प्रतिफल।
3. **Time-barred debt (समय-सीमा से बकाया ऋण)** — जब ऋण का भुगतान करने का लिखित वादा किया जाता है, भले ही वह कानूनी रूप से बाध्यकारी न हो।

🔹 **सारांश (In Short):**

"यदि कोई व्यक्ति वही कार्य करता है जो वह पहले से अपने अनुबंध के तहत करने के लिए बाध्य है, तो वह नया प्रतिफल नहीं माना जाएगा, और ऐसा वादा लागू नहीं होता।"